National Testing Agency

Question Paper Name :	03 17062023
Subject Name :	17Jun2023 Shift3 Subject Combination 1
Creation Date :	2023-06-18 15:00:12
Duration :	510
Total Marks :	2000
Display Marks:	Yes

Hindi

Group Number :	1
Group Id :	212807622
Group Maximum Duration :	45
Group Minimum Duration :	45
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time :	0
Group Marks :	200
Is this Group for Examiner? :	No
Examiner permission :	Cant View
Show Progress Bar? :	No

Hindi

Section Id :	212807726
Section Number :	1
Section type :	Online
Mandatory or Optional :	Mandatory
Number of Questions :	50
Number of Questions to be attempted :	40
Section Marks :	200
Enable Mark as Answered Mark for Review and Clear Response :	Yes
Maximum Instruction Time :	0
Sub-Section Number :	1
Sub-Section Id :	2128072078
Question Shuffling Allowed :	No
Is Section Default? :	null

Question Number : 1 Question Id : 21280728826 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp1

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। शुरू-शुरू में घंटियाँ बजाते, टोपियाँ पहनकर या रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विज्ञापन करने वालों द्वारा निर्माता अपनी वस्तुओं के बारे में जानकारी घर-घर पहुँचा देते थे। विज्ञापन की उन्नति के साथ समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। इसी के साथ विज्ञापन ने अपना साम्राज्य फैलाना शुरू कर दिया। नगरों में सड़कों के किनारे, चौराहों और गलियों के सिरों पर विज्ञापन लटकने लगे। समाचार-पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इनका माध्यम बन गए। विज्ञापन के लिए भी विज्ञापन गृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गईं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। आज विज्ञापन को यदि हम व्यापार की आत्मा कहें तो अत्युक्ति न होगी। विज्ञापन व्यापार व बिक्री बढ़ाने का एकमात्र साधन है। देखा गया है कि अनेक व्यापारिक संस्थाएँ केवल विज्ञापन के बल पर ही अपना माल बेचती हैं। कुल मिलाकर विज्ञापन कला ने आज व्यापार के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है और इसलिए ही इस युग को विज्ञापन युग कहा जाने लगा है। विज्ञापन के इस युग में लोगों ने इसका गलत उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सच्चाई एवं ईमानदारी के अभाव में लोगों तक गलत विज्ञापन पहुँचाए जाने की प्रथा चल पड़ी है। अतएव सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के प्रति कड़े-से-कड़ा व्यवहार कर इस कला को सुरक्षित रखने का प्रयास करे।

उक्त अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक का चयन कीजिए।

(1) विज्ञापन की उपयोगिता

(2) विज्ञापन कला

(3) विज्ञापन का महत्व

(4) विज्ञापन और विकास

Options :

212807115301. 1

212807115302. 2

212807115303. 3

212807115304. 4

Question Number : 2 Question Id : 21280728827 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। शुरू-शुरू में घंटियाँ बजाते, टोपियाँ पहनकर या रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विज्ञापन करने वालों द्वारा निर्माता अपनी वस्तुओं के बारे में जानकारी घर-घर पहुँचा देते थे। विज्ञापन की उन्नति के साथ समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविजन का आविष्कार हुआ। इसी के साथ विज्ञापन ने अपना साम्राज्य फैलाना शुरू कर दिया। नगरों में सड़कों के किनारे, चौराहों और गलियों के सिरों पर विज्ञापन लटकने लगे। समाचार-पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इनका माध्यम बन गए। विज्ञापन के लिए भी विज्ञापन गृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। आज विज्ञापन को यदि हम व्यापार की आत्मा कहें तो अत्युक्ति न होगी। विज्ञापन व्यापार व बिक्री बढ़ाने का एकमात्र साधन है। देखा गया है कि अनेक व्यापारिक संस्थाएँ केवल विज्ञापन के बल पर ही अपना माल बेचती हैं। कुल मिलाकर विज्ञापन कला ने आज व्यापार के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है और इसलिए ही इस युग को विज्ञापन युग कहा जाने लगा है। विज्ञापन के इस युग में लोगों ने इसका गलत उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सच्चाई एवं ईमानदारी के अभाव में लोगों तक गलत विज्ञापन पहुँचाए जाने की प्रथा चल पड़ी है। अतएव सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के प्रति कड़े-से-कड़ा व्यवहार कर इस कला को सुरक्षित रखने का प्रयास करें।

विज्ञापन के कारण निम्न में से किन माध्यमों का महत्व बढ़ा है?

(1) समाचार पत्र

(2) रेडियो

(3) टेलीविजन

(4) उपरोक्त सभी

Options :

212807115305. 1

212807115306. 2

212807115307. 3

212807115308. 4

Question Number : 3 Question Id : 21280728828 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। शुरू-शुरू में घंटियाँ बजाते, टोपियाँ पहनकर या रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विज्ञापन करने वालों द्वारा निर्माता अपनी वस्तुओं के बारे में जानकारी घर-घर पहुँचा देते थे। विज्ञापन की उन्नति के साथ समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। इसी के साथ विज्ञापन ने अपना साम्राज्य फैलाना शुरू कर दिया। नगरों में सड़कों के किनारे, चौराहों और गलियों के सिरों पर विज्ञापन लटकने लगे। समाचार-पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इनका माध्यम बन गए। विज्ञापन के लिए भी विज्ञापन गृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। आज विज्ञापन को यदि हम व्यापार की आत्मा कहें तो अत्युक्ति न होगी। विज्ञापन व्यापार व बिक्री बढ़ाने का एकमात्र साधन है। देखा गया है कि अनेक व्यापारिक संस्थाएँ केवल विज्ञापन के बल पर ही अपना माल बेचती हैं। कुल मिलाकर विज्ञापन कला ने आज व्यापार के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है और इसलिए ही इस युग को विज्ञापन युग कहा जाने लगा है। विज्ञापन के इस युग में लोगों ने इसका गलत उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सच्चाई एवं ईमानदारी के अभाव में लोगों तक गलत विज्ञापन पहुँचाए जाने की प्रथा चल पड़ी है। अतएव सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के प्रति कड़े-से-कड़ा व्यवहार कर इस कला को सुरक्षित रखने का प्रयास करे।

विज्ञापन का मुख्य कार्य है -

(1) वस्तु की पहचान कराना

(2) नव उत्पाद से लोगों को अवगत कराना

(3) वस्तु के प्रति विश्वसनीयता बढ़ाना

(4) उपरोक्त सभी

Options :

212807115309. 1

212807115310. 2

212807115311. 3

212807115312. 4

Question Number : 4 Question Id : 21280728829 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp1

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। शुरू-शुरू में घंटियाँ बजाते, टोपियाँ पहनकर या रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विज्ञापन करने वालों द्वारा निर्माता अपनी वस्तुओं के बारे में जानकारी घर-घर पहुँचा देते थे। विज्ञापन की उन्नति के साथ समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। इसी के साथ विज्ञापन ने अपना साम्राज्य फैलाना शुरू कर दिया। नगरों में सड़कों के किनारे, चौराहों और गलियों के सिरों पर विज्ञापन लटकने लगे। समाचार-पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इनका माध्यम बन गए। विज्ञापन के लिए भी विज्ञापन गृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गईं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। आज विज्ञापन को यदि हम व्यापार की आत्मा कहें तो अत्युक्ति न होगी। विज्ञापन व्यापार व बिक्री बढ़ाने का एकमात्र साधन है। देखा गया है कि अनेक व्यापारिक संस्थाएँ केवल विज्ञापन के बल पर ही अपना माल बेचती हैं। कुल मिलाकर विज्ञापन कला ने आज व्यापार के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है और इसलिए ही इस युग को विज्ञापन युग कहा जाने लगा है। विज्ञापन के इस युग में लोगों ने इसका गलत उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सच्चाई एवं ईमानदारी के अभाव में लोगों तक गलत विज्ञापन पहुँचाए जाने की प्रथा चल पड़ी है। अतएव सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के प्रति कड़े-से-कड़ा व्यवहार कर इस कला को सुरक्षित रखने का प्रयास करे।

विज्ञापन निर्माण का प्रशिक्षण किसके द्वारा दिया जाता है?

(1) विज्ञापन संस्था द्वारा

(2) अख़बारों द्वारा

(3) सामाजिक संस्था द्वारा

(4) प्रशासन द्वारा

Options :

212807115313. 1

212807115314. 2

212807115315. 3

212807115316. 4

Question Number : 5 Question Id : 21280728830 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

Prepp
Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए –

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। शुरू-शुरू में घंटियाँ बजाते, टोपियाँ पहनकर या रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विज्ञापन करने वालों द्वारा निर्माता अपनी वस्तुओं के बारे में जानकारी घर-घर पहुँचा देते थे। विज्ञापन की उन्नति के साथ समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। इसी के साथ विज्ञापन ने अपना साम्राज्य फैलाना शुरू कर दिया। नगरों में सड़कों के किनारे, चौराहों और गलियों के सिरों पर विज्ञापन लटकने लगे। समाचार-पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इनका माध्यम बन गए। विज्ञापन के लिए भी विज्ञापन गृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गईं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। आज विज्ञापन को यदि हम व्यापार की आत्मा कहें तो अत्युक्ति न होगी। विज्ञापन व्यापार व बिक्री बढ़ाने का एकमात्र साधन है। देखा गया है कि अनेक व्यापारिक संस्थाएँ केवल विज्ञापन के बल पर ही अपना माल बेचती हैं। कुल मिलाकर विज्ञापन कला ने आज व्यापार के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है और इसलिए ही इस युग को विज्ञापन युग कहा जाने लगा है। विज्ञापन के इस युग में लोगों ने इसका गलत उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सच्चाई एवं ईमानदारी के अभाव में लोगों तक गलत विज्ञापन पहुँचाए जाने की प्रथा चल पड़ी है। अतएव सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के प्रति कड़े-से-कड़ा व्यवहार कर इस कला को सुरक्षित रखने का प्रयास करे।

विज्ञापन का विशेष महत्व है –

(1) व्यापार क्षेत्र में

(2) शिक्षा क्षेत्र में

(3) कृषि क्षेत्र में

(4) समाज क्षेत्र

Options :
212807115317. 1
212807115318. 2
212807115319. 3
212807115320. 4

Sub-Section Number :	2
Sub-Section Id :	2128072079
Question Shuffling Allowed :	No
Is Section Default? :	null

Question Number : 6 Question Id : 21280728831 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

Prepp
Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

'तारसप्तक' के प्रकाशन से हिंदी साहित्य में आधुनिक संवेदना का सूत्रपात माना जाता है। आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर भी मूलत: तो कालबोधी है। इतिहास की प्रक्रिया को समझ कर उसकी गति को द्रुततर करने का सजग मानवीय प्रयास यदि आधुनिकता का मुख्य लक्षण है तो साम्यवादी विचारधारा ने इस क्षेत्र में सैद्धांतिक ढंग से पहल की, इसमें संदेह नहीं, यों पश्चिम के देश औद्योगिक क्रांति और तत्संबंधी अन्वेषणों से यह कार्य व्यावहारिक रूप में पहले से करते आ रहे थे। 'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन अज्ञेय करते हैं और उसमें सबसे अधिक बलपूर्वक वे कवि शामिल होते हैं, जिन्होंने अपने को साम्यवादी घोषित किया। स्वाधीन पश्चिम और साम्यवादी रूस दोनों की विचार-धाराएँ हिंदी साहित्य के सजग रूप में नियोजित आधुनिक काव्यांदोलन में परस्पर टकराती हैं, जिनके बीच ये सात कवि अपने निजी व्यक्तित्व की तलाश में गतिशील दिखते हैं। इस दृष्टि से 'तारसप्तक' की भूमिका में उन्हें 'राहों का अन्वेषी' ठीक ही कहा गया है। यहाँ संकलित सात कवि हैं- गजानन माधव मुक्तिबोध, नेमिचन्द्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय'। वैचारिक मतभेद के बावजूद इन कवियों को एक साथ लाने वाला मुख्य तत्त्व उनका प्रयोग पर आग्रह है। समाज के हित में जैसे क्रांति की सतत प्रक्रिया काम्य है, वैसे ही, रचना के हित में प्रयोग की। 'प्रयोगवाद' नामकरण को अनुपयुक्त मानते हुए 'दूसरा सप्तक' (1951) की भूमिका में अज्ञेय को स्पष्ट करना पड़ा कि ''प्रयोग का कोई वाद नहीं है... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है। और दोहरा साधन है। क्योंकि एक तो वह उस सत्य को जानने का साधन है, जिसे कवि प्रेषित करता है, दूसरे वह उस प्रेषण की क्रिया को और उसके साधनों को जानने का भी साधन है। अर्थात् प्रयोग द्वारा कवि अपने सत्य को अधिक अच्छी तरह जान सकता है और अधिक अच्छी तरह अभिव्यक्त कर सकता है।''

आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर मूलत: कैसी है?

(1) समस्याबोधी

(2) कालबोधी

(3) आधुनिकताबोधी

(4) इनमें से कोई नहीं

Options :

212807115321. 1
212807115322. 2
212807115323. 3
212807115324. 4

Question Number : 7 Question Id : 21280728832 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

'तारसप्तक' के प्रकाशन से हिंदी साहित्य में आधुनिक संवेदना का सूत्रपात माना जाता है। आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर भी मूलत: तो कालबोधी है। इतिहास की प्रक्रिया को समझ कर उसकी गति को द्रुततर करने का सजग मानवीय प्रयास यदि आधुनिकता का मुख्य लक्षण है तो साम्यवादी विचारधारा ने इस क्षेत्र में सैद्धांतिक ढंग से पहल की, इसमें संदेह नहीं, यों पश्चिम के देश औद्योगिक क्रांति और तत्संबंधी अन्वेषणों से यह कार्य व्यावहारिक रूप में पहले से करते आ रहे थे। 'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन अज्ञेय करते हैं और उसमें सबसे अधिक बलपूर्वक वे कवि शामिल होते हैं, जिन्होंने अपने को साम्यवादी घोषित किया। स्वाधीन पश्चिम और साम्यवादी रूस दोनों की विचार-धाराएँ हिंदी साहित्य के सजग रूप में नियोजित आधुनिक काव्यांदोलन में परस्पर टकराती हैं, जिनके बीच ये सात कवि अपने निजी व्यक्तित्व की तलाश में गतिशील दिखते हैं। इस दृष्टि से 'तारसप्तक' की भूमिका में उन्हें 'राहों का अन्वेषी' ठीक ही कहा गया है। यहाँ संकलित सात कवि हैं- गजानन माधव मुक्तिबोध, नेमिचन्द्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय'। वैचारिक मतभेद के बावजूद इन कवियों को एक साथ लाने वाला मुख्य तत्त्व उनका प्रयोग पर आग्रह है। समाज के हित में जैसे क्रांति की सतत प्रक्रिया काम्य है, वैसे ही, रचना के हित में प्रयोग की। 'प्रयोगवाद' नामकरण को अनुपयुक्त मानते हुए 'दूसरा सप्तक' (1951) की भूमिका में अज्ञेय को स्पष्ट करना पड़ा कि ''प्रयोग का कोई वाद नहीं है... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है। और दोहरा साधन है। क्योंकि एक तो वह उस सत्य को जानने का साधन है, जिसे कवि प्रेषित करता है, दूसरे वह उस प्रेषण की क्रिया को और उसके साधनों को जानने का भी साधन है। अर्थात् प्रयोग द्वारा कवि अपने सत्य को अधिक अच्छी तरह जान सकता है और अधिक अच्छी तरह अभिव्यक्त कर सकता है।''

'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन किसने किया?

(1) केदारनाथ सिंह

(2) प्रभाकर माचवे

(3) अज्ञेय

(4) मुक्तिबोध

Options :

212807115325. 1
212807115326. 2
212807115327. 3
212807115328. 4

Question Number : 8 Question Id : 21280728833 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

'तारसप्तक' के प्रकाशन से हिंदी साहित्य में आधुनिक संवेदना का सूत्रपात माना जाता है। आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर भी मूलतः तो कालबोधी है। इतिहास की प्रक्रिया को समझ कर उसकी गति को द्रुततर करने का सजग मानवीय प्रयास यदि आधुनिकता का मुख्य लक्षण है तो साम्यवादी विचारधारा ने इस क्षेत्र में सैद्धांतिक ढंग से पहल की, इसमें संदेह नहीं, यों पश्चिम के देश औद्योगिक क्रांति और तत्संबंधी अन्वेषणों से यह कार्य व्यावहारिक रूप में पहले से करते आ रहे थे। 'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन अज्ञेय करते हैं और उसमें सबसे अधिक बलपूर्वक वे कवि शामिल होते हैं, जिन्होंने अपने को साम्यवादी घोषित किया। स्वाधीन पश्चिम और साम्यवादी रूस दोनों की विचार-धाराएँ हिंदी साहित्य के सजग रूप में नियोजित आधुनिक काव्यांदोलन में परस्पर टकराती हैं, जिनके बीच ये सात कवि अपने निजी व्यक्तित्व की तलाश में गतिशील दिखते हैं। इस दृष्टि से 'तारसप्तक' की भूमिका में उन्हें 'राहों का अन्वेषी' ठीक ही कहा गया है। यहाँ संकलित सात कवि हैं- गजानन माधव मुक्तिबोध, नेमिचन्द्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय'। वैचारिक मतभेद के बावजूद इन कवियों को एक साथ लाने वाला मुख्य तत्त्व उनका प्रयोग पर आग्रह है। समाज के हित में जैसे क्रांति की सतत प्रक्रिया काम्य है, वैसे ही, रचना के हित में प्रयोग की। 'प्रयोगवाद' नामकरण को अनुपयुक्त मानते हुए 'दूसरा सप्तक' (1951) की भूमिका में अज्ञेय को स्पष्ट करना पड़ा कि ''प्रयोग का कोई वाद नहीं है... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है। और दोहरा साधन है। क्योंकि एक तो वह उस सत्य को जानने का साधन है, जिसे कवि प्रेषित करता है, दूसरे वह उस प्रेषण की क्रिया को और उसके साधनों को जानने का भी साधन है। अर्थात् प्रयोग द्वारा कवि अपने सत्य को अधिक अच्छी तरह जान सकता है और अधिक अच्छी तरह अभिव्यक्त कर सकता है।''

'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन कब हुआ था?

(1) 1950
(2) 1951
(3) 1952
(4) 1953

Options :
212807115329. 1
212807115330. 2
212807115331. 3
212807115332. 4

Question Number : 9 Question Id : 21280728834 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

'तारसप्तक' के प्रकाशन से हिंदी साहित्य में आधुनिक संवेदना का सूत्रपात माना जाता है। आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर भी मूलत: तो कालबोधी है। इतिहास की प्रक्रिया को समझ कर उसकी गति को द्रुततर करने का सजग मानवीय प्रयास यदि आधुनिकता का मुख्य लक्षण है तो साम्यवादी विचारधारा ने इस क्षेत्र में सैद्धांतिक ढंग से पहल की, इसमें संदेह नहीं, यों पश्चिम के देश औद्योगिक क्रांति और तत्संबंधी अन्वेषणों से यह कार्य व्यावहारिक रूप में पहले से करते आ रहे थे। 'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन अज्ञेय करते हैं और इसमें सबसे अधिक बलपूर्वक वे कवि शामिल होते हैं, जिन्होंने अपने को साम्यवादी घोषित किया। स्वाधीन पश्चिम और साम्यवादी रूस दोनों की विचार-धाराएँ हिंदी साहित्य के सजग रूप में नियोजित आधुनिक काव्यांदोलन में परस्पर टकराती हैं, जिनके बीच ये सात कवि अपने निजी व्यक्तित्व की तलाश में गतिशील दिखते हैं। इस दृष्टि से 'तारसप्तक' की भूमिका में उन्हें 'राहों का अन्वेषी' ठीक ही कहा गया है। यहाँ संकलित सात कवि हैं- गजानन माधव मुक्तिबोध, नेमिचन्द्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय'। वैचारिक मतभेद के बावजूद इन कवियों को एक साथ लाने वाला मुख्य तत्त्व उनका प्रयोग पर आग्रह है। समाज के हित में जैसे क्रांति की सतत प्रक्रिया काम्य है, वैसे ही, रचना के हित में प्रयोग की। 'प्रयोगवाद' नामकरण को अनुपयुक्त मानते हुए 'दूसरा सप्तक' (1951) की भूमिका में अज्ञेय को स्पष्ट करना पड़ा कि ''प्रयोग का कोई वाद नहीं है... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है। और दोहरा साधन है। क्योंकि एक तो वह उस सत्य को जानने का साधन है, जिसे कवि प्रेषित करता है, दूसरे वह उस प्रेषण की क्रिया को और उसके साधनों को जानने का भी साधन है। अर्थात् प्रयोग द्वारा कवि अपने सत्य को अधिक अच्छी तरह जान सकता है और अधिक अच्छी तरह अभिव्यक्त कर सकता है।''

'तारसप्तक' कितने कवियों का संकलन है?

(1) 5
(2) 6
(3) 7
(4) 8

Options :
212807115333. 1
212807115334. 2
212807115335. 3
212807115336. 4

Question Number : 10 Question Id : 21280728835 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर दीजिए -

'तारसप्तक' के प्रकाशन से हिंदी साहित्य में आधुनिक संवेदना का सूत्रपात माना जाता है। आधुनिकता की अवधारणा मूल्यबोधी होने पर भी मूलतः तो कालबोधी है। इतिहास की प्रक्रिया को समझ कर उसकी गति को द्रुततर करने का सजग मानवीय प्रयास यदि आधुनिकता का मुख्य लक्षण है तो साम्यवादी विचारधारा ने इस क्षेत्र में सैद्धांतिक ढंग से पहल की, इसमें संदेह नहीं, यों पश्चिम के देश औद्योगिक क्रांति और तत्संबंधी अन्वेषणों से यह कार्य व्यावहारिक रूप में पहले से करते आ रहे थे। 'तारसप्तक' का आयोजन और संपादन अज्ञेय करते हैं और उसमें सबसे अधिक बलपूर्वक वे कवि शामिल होते हैं, जिन्होंने अपने को साम्यवादी घोषित किया। स्वाधीन पश्चिम और साम्यवादी रूस दोनों की विचार-धाराएँ हिंदी साहित्य के सजग रूप में नियोजित आधुनिक काव्यांदोलन में परस्पर टकराती हैं, जिनके बीच ये सात कवि अपने निजी व्यक्तित्व की तलाश में गतिशील दिखते हैं। इस दृष्टि से 'तारसप्तक' की भूमिका में उन्हें 'राहों का अन्वेषी' ठीक ही कहा गया है। यहाँ संकलित सात कवि हैं- गजानन माधव मुक्तिबोध, नेमिचन्द्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय'। वैचारिक मतभेद के बावजूद इन कवियों को एक साथ लाने वाला मुख्य तत्त्व उनका प्रयोग पर आग्रह है। समाज के हित में जैसे क्रांति की सतत प्रक्रिया काम्य है, वैसे ही, रचना के हित में प्रयोग की। 'प्रयोगवाद' नामकरण को अनुपयुक्त मानते हुए 'दूसरा सप्तक' (1951) की भूमिका में अज्ञेय को स्पष्ट करना पड़ा कि ''प्रयोग का कोई वाद नहीं है... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है। और दोहरा साधन है। क्योंकि एक तो वह उस सत्य को जानने का साधन है, जिसे कवि प्रेषित करता है, दूसरे वह उस प्रेषण की क्रिया को और उसके साधनों को जानने का भी साधन है। अर्थात् प्रयोग द्वारा कवि अपने सत्य को अधिक अच्छी तरह जान सकता है और अधिक अच्छी तरह अभिव्यक्त कर सकता है।''

निम्नलिखित में कौन कवि पहले 'तारसप्तक' में शामिल नहीं है?

(1) भारतभूषण अग्रवाल

(2) प्रभाकर माचवे

(3) रामविलास शर्मा

(4) केदारनाथ अग्रवाल

Options :

212807115337. 1
212807115338. 2
212807115339. 3
212807115340. 4

Sub-Section Number :	3
Sub-Section Id :	2128072080
Question Shuffling Allowed :	No
Is Section Default? :	null

Question Number : 11 Question Id : 21280728836 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp3

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का सही विकल्प का चयन कीजिए।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिसके किसी अंश पर-चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अंतर्गत न भी हों-जान-बूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनंदपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज के प्रतिनिधिरूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो-चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाये जायेंगे उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जायेगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि जिस पर हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें - जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस-पाँच आदमी प्रेम रखें - इसकी हमें परवा क्या, इच्छा ही नहीं होती; क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है, पर प्रेमी नहीं।

श्रद्धा और प्रेम में क्या अंतर है?

(1) श्रद्धा सामाजिक है और प्रेम व्यक्तिगत है।

(2) श्रद्धा के मूल में व्यक्तिगत कारण होते हैं।

(3) प्रेम में दुनियादारी का भाव होता है।

(4) प्रेम और श्रद्धा का एक ही धरातल होता है।

Options :

212807115341. 1
212807115342. 2
212807115343. 3
212807115344. 4

Question Number : 12 Question Id : 21280728837 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का सही विकल्प का चयन कीजिए।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझाते हैं जिसके किसी अंश पर-चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अंतर्गत न भी हों-जान-बूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनंदपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज के प्रतिनिधिरूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो-चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाये जायेंगे उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जायेगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि जिस पर हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें - जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस-पाँच आदमी प्रेम रखें - इसकी हमें परवा क्या, इच्छा ही नहीं होती; क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है, पर प्रेमी नहीं।

श्रद्धा एक आनंदपूर्ण कृतज्ञता है क्योंकि -

(1) इससे हमारा स्वार्थ सिद्ध होता है।

(2) इससे श्रद्धेय की भलाई होती है।

(3) हम व्यक्तिगत रूप से श्रद्धा प्रकट करते हैं।

(4) हम समाज के प्रतिनिधि के रूप में इसे प्रकट करते हैं।

Options :

212807115345. 1

212807115346. 2

212807115347. 3

212807115348. 4

Question Number : 13 Question Id : 21280728838 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का सही विकल्प का चयन कीजिए।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिसके किसी अंश पर-चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अंतर्गत न भी हों-जान-बूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनंदपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज के प्रतिनिधिरूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो-चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाये जायेंगे उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जायेगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि जिस पर हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें - जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस-पाँच आदमी प्रेम रखें - इसकी हमें परवा क्या, इच्छा ही नहीं होती; क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है, पर प्रेमी नहीं।

जाग्रत समाज का क्या लक्षण है?

(1) केवल सदाचार पर श्रद्धा करना।

(2) केवल अत्याचार पर श्रद्धा करना।

(3) सदाचार और अत्याचार पर चुप रहना।

(4) सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध करना।

Options :

212807115349. 1
212807115350. 2
212807115351. 3
212807115352. 4

Question Number : 14 Question Id : 21280728839 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp3

Prepp
Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का सही विकल्प का चयन कीजिए।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिसके किसी अंश पर-चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अंतर्गत न भी हों-जान-बूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनंदपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज के प्रतिनिधिरूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो-चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाये जायेंगे उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जायेगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि जिस पर हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें - जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस-पाँच आदमी प्रेम रखें - इसकी हमें परवा क्या, इच्छा ही नहीं होती; क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है, पर प्रेमी नहीं।

श्रद्धालु अपने भाव में किसे सम्मिलित करना चाहते हैं?

(1) व्यक्ति को

(2) संसार को

(3) आत्मा को

(4) निजी प्रेम-भाव को

Options :

212807115353. 1

212807115354. 2

212807115355. 3

212807115356. 4

Question Number : 15 Question Id : 21280728840 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp3

prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का सही विकल्प का चयन कीजिए।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझाते हैं जिसके किसी अंश पर-चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अंतर्गत न भी हों-जान-बूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनंदपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज के प्रतिनिधिरूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो-चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाये जायेंगे उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जायेगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि जिस पर हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें - जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस-पाँच आदमी प्रेम रखें - इसकी हमें परवा क्या, इच्छा ही नहीं होती; क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है, पर प्रेमी नहीं।

उपर्युक्त गद्यांश का निष्कर्ष है:

(1) श्रद्धा एक वैयक्तिक भाव है।

(2) श्रद्धा एक सामाजिक भाव है।

(3) श्रद्धा से श्रद्धेय का महत्त्व घटता है।

(4) श्रद्धा भाव केवल श्रद्धालु तक सीमित है।

Options :

212807115357. 1
212807115358. 2
212807115359. 3
212807115360. 4

Sub-Section Number : 4
Sub-Section Id : 2128072081
Question Shuffling Allowed : Yes
Is Section Default? : null

Question Number : 16 Question Id : 21280728791 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I		सूची-II	
मुहावरे		अर्थ	
(A)	गाल फुलाना	(I)	डींग मारना
(B)	गाल बजाना	(II)	अधिक डर जाना
(C)	खून सूखना	(III)	रूठना
(D)	उड़ती ख़बर	(IV)	बेसिर पैर की बात

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
(4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

Options :
212807115161. 1
212807115162. 2
212807115163. 3
212807115164. 4

Question Number : 17 Question Id : 21280728792 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

रेखांकित अंश के लिए कौन-सी लोकोक्ति सर्वाधिक उपयुक्त है?

उसे बहुत बड़ा जादूगर माना जाता है किंतु उसकी जादूगरी के खेल में आकर्षण बिल्कुल नहीं है। मैं समझ गई यह ऊपरी दिखावा है वास्तविकता कम है।

(1) अधजल गगरी छलकत जाए
(2) ऊँची दुकान फीका पकवान
(3) अंधे के हाथ बटेर लगना
(4) दूर के ढोल सुहावने होते हैं

Options :
212807115165. 1
212807115166. 2
212807115167. 3
212807115168. 4

Question Number : 18 Question Id : 21280728793 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Prepp Your Personal Exam Guide

'स्पृश्य' शब्द का विलोम बनाने के लिए किस उपसर्ग का प्रयोग करते हैं?

(1) नि

(2) अनु

(3) अ

(4) कु

Options :
212807115169. 1
212807115170. 2
212807115171. 3
212807115172. 4

Question Number : 19 Question Id : 21280728794 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'अँगूठी' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

(1) ई

(2) अँ

(3) गू

(4) अँग

Options :
212807115173. 1
212807115174. 2
212807115175. 3
212807115176. 4

Question Number : 20 Question Id : 21280728795 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'मुझे कोई भी पुस्तक दे दो।' वाक्य में विशेषण का कौन-सा भेद है?

(1) गुणवाचक विशेषण

(2) निश्चित संख्यावाचक

(3) सार्वनामिक विशेषण

(4) परिमाण वाचक विशेषण

Options :
212807115177. 1
212807115178. 2
212807115179. 3
212807115180. 4

Question Number : 21 Question Id : 21280728796 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'वह श्रेष्ठ उपासक है' में विशेष्य है –

(1) है

(2) श्रेष्ठ

(3) वह

(4) उपासक

Options :

212807115181. 1
212807115182. 2
212807115183. 3
212807115184. 4

Question Number : 22 Question Id : 21280728797 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

संबंध बताने का काम कौन करता है?

(1) संज्ञा

(2) सर्वनाम

(3) कारक

(4) समुच्चय

Options :

212807115185. 1
212807115186. 2
212807115187. 3
212807115188. 4

Question Number : 23 Question Id : 21280728798 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

Prepp
Your Personal Exam Guide

'वह पढ़ने के लिए विद्यालय जाता है' वाक्य में कौन-सा कारक है?

(A) कर्म

(B) करण

(C) सम्प्रदान

(D) अपादान

(E) अधिकरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) केवल (A), (B) और (C)

(2) केवल (A) और (C)

(3) केवल (B) और (D)

(4) केवल (E)

Options :
212807115189. 1
212807115190. 2
212807115191. 3
212807115192. 4

Question Number : 24 Question Id : 21280728799 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

क्रिया के कितने मूल भेद होते हैं?

(1) दो

(2) तीन

(3) चार

(4) पाँच

Options :
212807115193. 1
212807115194. 2
212807115195. 3
212807115196. 4

Question Number : 25 Question Id : 21280728800 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'नर्स रोहन को दवा पिलाती है।' इस वाक्य में से कौन-सी क्रिया है?

(1) सकर्मक क्रिया

(2) अकर्मक क्रिया

(3) सहायक क्रिया

(4) संयुक्त क्रिया

Options :
212807115197. 1
212807115198. 2
212807115199. 3
212807115200. 4

Question Number : 26 Question Id : 21280728801 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'पंखा धीरे-धीरे चलता है।' इस वाक्य में कौन-सा शब्द अव्यय है?

(1) पंखा
(2) धीरे-धीरे
(3) चलता
(4) चलता है

Options :
212807115201. 1
212807115202. 2
212807115203. 3
212807115204. 4

Question Number : 27 Question Id : 21280728802 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से **सूची-II** का मिलान कीजिए:

	सूची-I		**सूची-II**
(A)	विसर्ग संधि	(I)	सुरेश
(B)	गुण संधि	(II)	यद्यपि
(C)	यण संधि	(III)	निः + संदेह
(D)	दीर्घ संधि	(IV)	वेदांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)
(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
(4) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

Options :
212807115205. 1
212807115206. 2
212807115207. 3
212807115208. 4

Question Number : 28 Question Id : 21280728803 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

दो स्वरों के पास आने से जो संधि होती है वह कहलाती है –

(1) व्यंजन संधि

(2) स्वर संधि

(3) विसर्ग संधि

(4) शब्द संधि

Options :
212807115209. 1
212807115210. 2
212807115211. 3
212807115212. 4

Question Number : 29 Question Id : 21280728804 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

छन्द को पढ़ते समय प्रत्येक चरण के मध्य या अन्त में ठहरने को क्या कहते हैं?

(1) गति

(2) तुक

(3) गण

(4) यति

Options :
212807115213. 1
212807115214. 2
212807115215. 3
212807115216. 4

Question Number : 30 Question Id : 21280728805 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'यथासंभव' में कौन-सा समास है।

(1) तत्पुरुष समास

(2) द्विगु समास

(3) अव्ययीभाव समास

(4) द्वन्द्व समास

Options :
212807115217. 1
212807115218. 2
212807115219. 3
212807115220. 4

Question Number : 31 Question Id : 21280728806 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Prepp Your Personal Exam Guide

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से **सूची-II** का मिलान कीजिए:

	सूची-I		**सूची-II**
	शब्द		**समास**
(A)	चौराहा	(I)	द्वन्द्व समास
(B)	माता-पिता	(II)	बहुव्रीहि समास
(C)	पंचानन	(III)	द्विगु समास
(D)	परोक्ष	(IV)	अव्ययीभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
(2) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)
(3) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(4) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

Options :
212807115221. 1
212807115222. 2
212807115223. 3
212807115224. 4

Question Number : 32 Question Id : 21280728807 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'सठ सुधरहिं सत संगति पाई।
पारस परस कुधात सुहाई।।'
इस चौपाई में कौन-सा अलंकार है?

(1) निदर्शना
(2) विभावना
(3) दृष्टांत
(4) उत्प्रेक्षा

Options :
212807115225. 1
212807115226. 2
212807115227. 3
212807115228. 4

Question Number : 33 Question Id : 21280728808 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'काली घटा का घमंड घटा' में कौन-सा अलंकार है?

(1) श्लेष अलंकार

(2) अनुप्रास अलंकार

(3) यमक अलंकार

(4) रूपक अलंकार

Options :

212807115229. 1

212807115230. 2

212807115231. 3

212807115232. 4

Question Number : 34 Question Id : 21280728809 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I स्थायी भाव		सूची-II रस	
(A)	जुगुप्सा	(I)	श्रृंगार
(B)	निर्वेद	(II)	रौद्र
(C)	क्रोध	(III)	शांत
(D)	रति	(IV)	वीभत्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

Options :

212807115233. 1

212807115234. 2

212807115235. 3

212807115236. 4

Question Number : 35 Question Id : 21280728810 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए:

	सूची-I शब्द		सूची-II विलोम
(A)	चल	(I)	अचल
(B)	निराशा	(II)	विराग
(C)	अनुराग	(III)	आगत
(D)	विगत	(IV)	आशा

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)
(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)

Options :
212807115237. 1
212807115238. 2
212807115239. 3
212807115240. 4

Question Number : 36 Question Id : 21280728811 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'आस्तिक' का विलोम शब्द है –

(1) आस्ति
(2) अचानक
(3) नास्तिक
(4) आसि

Options :
212807115241. 1
212807115242. 2
212807115243. 3
212807115244. 4

Question Number : 37 Question Id : 21280728812 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'नर' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द है –

(1) कम

(2) याचना

(3) मादा

(4) रचना

Options :

212807115245. 1

212807115246. 2

212807115247. 3

212807115248. 4

Question Number : 38 Question Id : 21280728813 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'निधि' शब्द का बहुवचन है –

(1) सम्पत्ति

(2) धन

(3) ऐश्वर्य

(4) निधियाँ

Options :

212807115249. 1

212807115250. 2

212807115251. 3

212807115252. 4

Question Number : 39 Question Id : 21280728814 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'कपड़ा' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं –

(A) दुकूल

(B) शिवासुत

(C) वस्त्र

(D) चीर

(E) अतनु

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) केवल (B), (C) और (A)

(2) केवल (D), (A) और (E)

(3) केवल (A), (C) और (D)

(4) केवल (E), (A) और (D)

Options :
212807115253. 1
212807115254. 2
212807115255. 3
212807115256. 4

Question Number : 40 Question Id : 21280728815 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'घोड़ा' शब्द का पर्यायवाची **नहीं** है –

(A) अश्व
(B) सोम
(C) तुरंग
(D) अम्ब
(E) मदन

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) केवल (A), (B) और (C)
(2) केवल (B), (C) और (D)
(3) केवल (B), (D) और (E)
(4) केवल (D), (E) और (A)

Options :
212807115257. 1
212807115258. 2
212807115259. 3
212807115260. 4

Question Number : 41 Question Id : 21280728816 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1
Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'जो जानने योग्य हो' समान अर्थ की दृष्टि से इस वाक्यांश के स्थान पर निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द प्रयुक्त होगा–

(1) विज्ञ
(2) ज्ञेय
(3) ज्ञानपिपासु
(4) अज्ञेय

Options :
212807115261. 1
212807115262. 2
212807115263. 3
212807115264. 4

Question Number : 42 Question Id : 21280728817 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0
Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

संध्या और रात्रि के बीच के समय को कहते हैं –

(1) रात

(2) दोपहर

(3) गोधूलि

(4) निशीथ

Options :

212807115265. 1

212807115266. 2

212807115267. 3

212807115268. 4

Question Number : 43 Question Id : 21280728818 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'उदासीन' के लिए उपयुक्त शब्द हैं :

(A) उत्साह

(B) नीयत

(C) नैराश्य

(D) विरक्त

(E) तटस्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B) और (C)

(2) केवल (A), (C) और (B)

(3) केवल (C) और (D)

(4) केवल (A), (D) और (E)

Options :

212807115269. 1

212807115270. 2

212807115271. 3

212807115272. 4

Question Number : 44 Question Id : 21280728819 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

'आँख' शब्द का अर्थ नहीं है –

(1) नेत्र

(2) लोचन

(3) आँच

(4) दृष्टि

Options :
212807115273. 1
212807115274. 2
212807115275. 3
212807115276. 4

Question Number : 45 Question Id : 21280728820 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

कौन-से शब्द अशुद्ध हैं?

(A) वीकट

(B) प्रनाली

(C) चेष्ठा

(D) वनराज

(E) व्रत

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) केवल (A), (D) और (E)

(2) केवल (A), (B) और (D)

(3) केवल (A), (B) और (C)

(4) केवल (D) और (E)

Options :
212807115277. 1
212807115278. 2
212807115279. 3
212807115280. 4

Question Number : 46 Question Id : 21280728821 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Prepp Your Personal Exam Guide

निम्नलिखित में से तत्सम शब्द हैं –

(A) आँख

(B) अश्रु

(C) अग्नि

(D) आठ

(E) आलस्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B) और (D)

(2) केवल (B), (C) और (D)

(3) केवल (A), (C) और (E)

(4) केवल (B), (C) और (E)

Options :
212807115281. 1
212807115282. 2
212807115283. 3
212807115284. 4

Question Number : 47 Question Id : 21280728822 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

सूची-I से **सूची-II** का मिलान कीजिए:

	सूची-I		**सूची-II**
(A)	स्वप्न	(I)	विदेशज
(B)	मामा	(II)	देशज
(C)	बिस्तर	(III)	तत्सम
(D)	लोटा	(IV)	तद्भव

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

Options :
212807115285. 1
212807115286. 2
212807115287. 3
212807115288. 4

Question Number : 48 Question Id : 21280728823 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Prepp Your Personal Exam Guide

Key	Value
Comprehension	MCQ

कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित साहित्यकारों का सही अनुक्रम है :

(A) बिहारी

(B) भारतेन्दु

(C) कबीर

(D) नागार्जुन

(E) मैथिलीशरण गुप्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (D), (A), (C), (B), (E)

(2) (C), (A), (B), (E), (D)

(3) (A), (C), (B), (D), (E)

(4) (B), (C), (A), (D), (E)

Options :

212807115289. 1

212807115290. 2

212807115291. 3

212807115292. 4

Question Number : 49 Question Id : 21280728824 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

सूची-I से **सूची-II** का मिलान कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
	रचना		**लेखक**
(A)	मेरी असफलताएँ	(I)	रघुवीर सहाय
(B)	कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ	(II)	हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C)	चिंतामणि – भाग I	(III)	गुलाबराय
(D)	कुटज	(IV)	रामचन्द्र शुक्ल

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

Options :

212807115293. 1

212807115294. 2

212807115295. 3

212807115296. 4

Question Number : 50 Question Id : 21280728825 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Prepp Your Personal Exam Guide

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

हिन्दी निबन्ध विधा का उदय किस युग में हुआ ?

(1) द्विवेदी युग

(2) भारतेन्दु युग

(3) छायावाद युग

(4) प्रगतिवाद

Options :

212807115297. 1

212807115298. 2

212807115299. 3

212807115300. 4